संगम

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रोपड़ की हिन्दी पत्रिका

मई - अगस्त 2021

मुद्रण संस्करण 03 अंक 02

निदेशक का संदेश

प्रिय मित्रों,

आशा करते हैं आप जहाँ भी होंगे सभी अच्छे होंगे। कोविड -19 महामारी ने हमारे जीवन को दूर तक प्रभावित किया है। आज के दिनों में एक अभूतपूर्व स्थिति जो हम देख रहे हैं, हम में से किसी ने अतीत में कभी नहीं देखा है और भविष्य में फिर से देखें शायद उम्मीद नहीं है। आईआईटी रोपड़ परिसर में, हमारे छात्रों और कर्मचारियों के स्वास्थ्य और कल्याण की मुख्य चिंता हमें बनी हुई है, इसलिए वर्तमान संकट की प्रतिक्रिया में, हम पहले से ही विभिन्न एजेंसियों द्वारा जारी निर्देशों के अनुरूप कई महत्वपूर्ण उपाय कर चुके हैं। वर्तमान स्थिति के तेजी से बदलते स्वरूप को देखते हुए, हम आश्वासन देते हैं कि अभी की उभरती चुनौतियों के माध्यम से अपने प्रयासों को आगे बढ़ाते रहेंगे।

मई से अगस्त महीने के दौरान, हमनें बहुत अच्छी खबरें देखी हैं जिनमें शामिल हैं: अंतर्राष्ट्रीय रैंकिंग और हमारे संकाय और छात्रों द्वारा जीते गए विभिन्न मंचों पर पुरस्कार एवं फ़ेलोशिप।

भा.प्रौ.सं. रोपड़ ने कोविड-19 टीकाकरण में व्यापक रूप से भाग लिया है और संस्थान के प्रत्येक सदस्य को टीका लगवाने के लिए प्रोत्साहित भी कर रहे हैं।

टाइम्स हायर एजुकेशन एशिया यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2021 में एक बार फिर भा.प्रौ.सं. रोपड़ ने एशिया के शीर्ष 100 विश्वविद्यालयों में 55वीं रैंक के साथ उल्लेखनीय स्थान प्राप्त किया है। साथ ही, टाइम्स हायर एजुकेशन यंग यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2021 में यह शीर्ष 100 में 63वें स्थान पर है। संस्थान द्वारा विकसित "AmbiTAG" भारत का पहला स्वदेशी तापमान मापक यन्त्र है जिससे टीकों, रक्त, शरीर अंगों और खराब होने वाला उत्पाद के तापमान डेटा मापा जा सकता है।

कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग के हमारे छात्र श्री आदित्य अग्रवाल ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता और कंप्यूटर विज्ञान में "रिलायंस फाउंडेशन स्कॉलरशिप 2021" प्राप्त की। मैं सराहना करता हूं कि हमारे संस्थान के छात्र अब प्रैक्टिकल वर्कशीट, विभिन्न विषयों पर लघु प्रश्न, बहु विकल्पीय प्रश्न, गूगल कक्षाओं में प्रश्नोत्तरी जैसे माध्यम से पूर्णतया प्रशिक्षित हो रहे हैं। इन माध्यमों के द्वारा सीखना का एक अच्छा तरीका है, जब तक कि हम सामान्य कक्षाओं के स्वरुप को वापिस नहीं पाते। मैं वास्तव में हमारे संकाय सदस्यों के प्रयासों की सराहना करता हूँ और सभी का धन्यवाद करता हूँ।

आइए संस्थान और देश के नए विकास कार्य के बेहतरी के लिए साथ मिलकर कार्य करें ताकि हम अपने सामान्य स्तिथि में वापस आ सकें, क्योंकि इसके बाद जब बुरा समय समाप्त हो जाएगा, तब देश में हमलोग ही होंगे, जिनके कंधों पर देश के पुनर्निर्माण की जिम्मेदारी होगी। तदुपरांत हम अपने देश में चल रहे नवाचार तकनीक और अनुसंधान की भावना को फिर से युवाओं में जीवंत करने के लिए अपने कुशल परिश्रम से योगदान दे सकें तथा जीवन जीने और समृद्धि हेतु सुरक्षित पृथ्वी का निर्माण कर सकें।

जय हिन्द !

75वाँ स्वतंत्रता दिवस समारोह

भा.प्रौ.सं. रोपड़ में रविवार के दिन की सुबह खुशियों भरी रही। संस्थान के निदेशक, संकाय, कर्मचारी, छात्र और अन्य लोग संस्थान के प्रशासनिक भवन के सामने के लॉन में एक अनूठा उत्सव देखने के लिए एकत्रित हुए: सर्वप्रथम निदेशक महोदय ने भारत के 75वें स्वतंत्रता दिवस पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया; भा.प्रौ.सं. रोपड़ के स्थायी परिसर में इस अवसर को बहुत हर्ष और उल्लास से मनाया गया। सुबह के समयानुसार 09:30 बजे ध्वजारोहण समारोह आयोजित किया गया जिसके बाद राष्ट्रगान गाया गया। निदेशक महोदय ने संस्थान के निवासियों तथा लोगों को संबोधित किया। उनके संबोधन में भारत के आजादी एवं भारत के गणतंत्र के महानायकों तथा महान नेताओं के योगदान को भी याद दिलाया जिन्होंने भारत के संविधान का दस्तावेजीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया। उन्होंने समय की जरूरत और खासकर भारत के युवाओं की ताकत पर जोर डालकर देश के विकास कार्यों में प्रत्येक व्यक्ति के समर्पित प्रयासों की सराहना भी की।

समारोह के दौरान विद्यार्थियों ने देशभक्तिपरक गीतों को प्रस्तुत कर पूरा वातावरण देशभक्ति के रंग में रंग दिया। इस अवसर पर सभी संस्थान वासियों के लिए जलपान का भी विशेष प्रबंध किया गया। कार्यक्रम के अंत में कुछ यूं प्रतीत हुआ जैसे प्रत्येक व्यक्ति अपनी लक्ष्य की उत्कृष्ट प्राप्ति की तीव्र इच्छा शक्ति को लिए अपनी सर्वोत्तम क्षमताओं द्वारा अपनी प्यारी मातृभूमि के कल्याण और विकास के लिए प्रतिबद्ध हो रहे हों और सर्वोच्च योगदान देने के लिए तत्पर हों।

समाचार एवं आयोजन

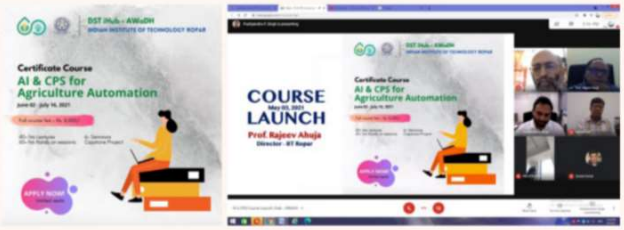

हाल ही में भा.प्रौ.सं. रोपड़ ने "कृत्रिम बुद्धिमत्ता और कृषि हेतु साइबर भौतिक प्रणाली स्वचालन" पाठ्यक्रम पर एक प्रमाणपत्र (Certificate) पाठ्यक्रम का शुभारंभ किया है। इस पाठ्यक्रम की शुरुआत 03 मई 2021 से हुई और 2 जून तक पाठ्यक्रम ऑनलाइन माध्यम द्वारा 6 सप्ताह के लिए संचालित किया गया।

भा.प्रौ.सं. रोपड़ ने "AmbiTAG" नामक "भारत का" पहला स्वदेशी तापमान डेटा लॉगर विकसित किया। इस उपकरण द्वारा टीकों, रक्त, शरीर के अंग, और खराब होने वाले उत्पाद की तापमान को आसानी से मापी जा सकती है। भा.प्रौ.सं. रोपड़ ने इस उपकरण "AmbiTAG" को इसकी लागत मूल्य पर देने के लिए आश्वस्त भी किया है, जो की कोविड -19 टीके के आसान परिवहन के लिए बहुमुखी साबित हो सकता है।

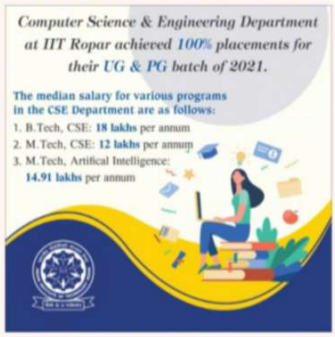

भा.प्रौ.सं. रोपड़ के कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग ने अपने वर्ष २०२१ के स्नातक और स्नातकोत्तर बैच हेतु 100 प्रतिशत स्थानन प्राप्त किया है।

भा.प्रौ.सं. रोपड़ और डी.एम.सी. लुधियाना (DMC, Ludhiana) द्वारा एक नवीनतम कंटेनर बॉक्स उपकरण को विकसित एवं डिज़ाइन किया है। यह बॉक्स कोविड-19 महामारी से लड़ाई लड़ने में अग्रिम पंक्ति (फ्रंटलाइन) स्वास्थ्य कर्मियों की सुरक्षित रखने में उपयोगी सिद्ध होगा।

भा.प्रौ.सं. रोपड़ में निःशुल्क कोविड-19 टीकाकरण अभियान रोपड़ स्वास्थ्य केंद्र द्वारा सफलतापूर्वक संपन्न किया गया। इस अभियान में संस्थान के छात्र, संकाय सदस्यों और कर्मचारियों ने सम्पूर्ण तरीके से भाग लिया और कोरोना महामारी पर काबू पाने हेतु अपने देश के वैज्ञानिकों और टीके पर दृढ़ विश्वास रखने का संदेश भी समाज को दिया।

भा.प्रौ.सं. रोपड़ ने गणित विषय के साथ 12वीं कक्षा उत्तीर्ण किए हुए पंजाब विद्यालय के छात्रों हेतु पंजाब स्किल डेवलपमेंट मिशन (PSDM) के साथ पंजाब राज्य में "डेटा विज्ञान" अथवा "कृत्रिम बुद्धि." (आर्टिफीसियल इंटेलिजेंस) सीखने के लिए कार्यक्रम का आयोजन किया है।

भा.प्रौ.सं. रोपड़ के यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग ने नटशैल कार्यक्रम में उन्नत ज्ञान के तहत 5 से 8 जुलाई 2021 के दौरान "अभियांत्रिकी में सांख्यात्मक पद्धतियाः उन्नत एवं अनुप्रयोग" पर अल्प कालिक पाठ्यक्रम की पेशकश की।

पुरस्कार और मान्यता

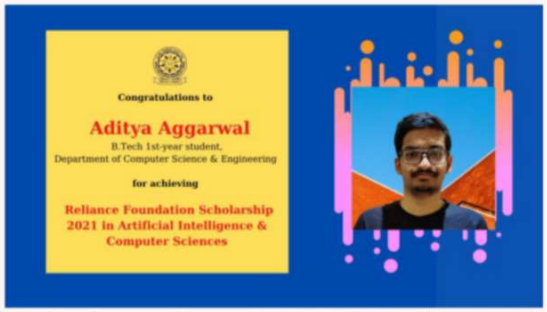

भा.प्रौ.सं. रोपड़ के कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग के प्रथम वर्ष के छात्र श्री आदित्य अग्रवाल ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता और कंप्यूटर विज्ञान में "रिलायंस फाउंडेशन स्कॉलरशिप 2021" प्राप्त की है।

स्टार्टअप समाचार

IIT रोपड़ स्टार्टअप खंड "TIH - AWADH" द्वारा "Ubreathe" नामक उपकरण को विकसित/इनक्यूबेट किया है। यह उपकरण प्रकृति से प्रेरित वायु शोधन प्रणाली "यूब्रीथ लाइफ" है और इसका सफल प्रक्षेपण भारतीय शहरों के वातावरण को मध्य नजर रखते हुए किया गया है। इसका (यूब्रीथ लाइफ) प्रमुख उत्पाद पैन इंडिया डिलीवरी के लिए उपलब्ध है।

समाचार पत्रों में भा.प्रौ.सं. रोपड़

हाल ही में भा.प्रौ.सं. रोपड़ ने एक सुवाह्य तकनीक-पारंपरिक पर्यावरण हितैषी "मोबाइल शवदाह प्रणाली" को विकसित किया है। यह अपनी तरह की पहली तकनीक है जो लकड़ी का उपयोग किए बिना धुआँरहित शवदाह करने का उपकरण है।

भा.प्रौ.सं. रोपड़ ने देश का पहला पावर-फ्री सीपीएपी (CPAP) डिवाइस "जीवन वायु" विकसित किया है। यह डिवाइस गांवों, निचले इलाकों और कम संसाधन क्षेत्रों में जान बचाने के लिए बेहद लाभदायक है। इसके उपयोग से मरीजों को पारगमन के दौरान रुग्णवाहिका से अस्पतालों तक पहुंचने में भी लाभकारी है।

भा.प्रौ.सं. रोपड़ ने एक बार फिर टाइम्स हायर एजुकेशन एशिया यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2021 में 55वीं रैंक के साथ शीर्ष 100 एशियाई विश्वविद्यालयों में अपनी एक जगह बनाई है।

भा.प्रौ.सं. रोपड़ ने एक बार फिर टाइम्स हायर एजुकेशन यंग विश्वविद्यालय रैंकिंग 2021 में टॉप 100 में जगह बनाई है। वर्तमान में भा.प्रौ.सं. रोपड़ विश्व में 63वें स्थान पर है।

भा.प्रौ.सं. रोपड़ ने "ऑक्सीजन राशनिंग" उपकरण "AMLEX" जो की अपने आप में एक नवीनतम शोध कार्य को दर्शाता है विकसित किया गया है। इस उपकरण के माध्यम से आवश्यक मात्रा में ऑक्सीजन की आपूर्ति मरीजों को साँस लेने के दौरान प्रदान करता है और साँस छोड़ने के दौरान जिस वक्त हम अपने शरीर से कार्बन डाइऑक्साइड बाहर निकालते हैं उस समय यह उपकरण आपूर्ति बंद कर सकता है।

खेल एवं संस्कृति

"विश्व पर्यावरण दिवस" 2021 पर भा.प्रौ.सं. रोपड़ ने तुलसी, करी पत्ता, एलोवेरा, सदा बहार, गिलोय और अजवाइन के छोटे पौधे संसथान के निवासियों में वितरित किए। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य अपने घर एवं बगीचे में वृक्षारोपण कर वातावरण को प्रदूषित होने से बचाना और प्रकृति के साथ समय बिताना था।

भा.प्रौ.सं. रोपड़ ने प्रति वर्ष की तरह इस वर्ष भी "अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस-2021" को कोविड -19 प्रोटोकॉल को ध्यान में रखते हुए व्यावहारिक तरीके से मनाया। इस समारोह में संसथान के निदेशक, कुलसचिव सहित अन्य अधिकारी, संकाय सदस्य, गैर शैक्षणिक कर्मचारी तथा विद्यार्थियों ने बढ़ चढ़ कर सहभागिता लिया।

62वां हिंदी शब्द संसाधन एवं हिंदी टंकण पत्राचार पाठ्यक्रम के प्रशिक्षार्थियों हेतु व्यक्तिगत संपर्क कार्यक्रम

हिंदी शब्द संसाधन (हिंदी टंकण) पत्राचार पाठ्यक्रम स्कंध, केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय भारत सरकार द्वारा चलाए जा रहे हिंदी टंकण पत्राचार पाठ्यक्रम के 62वें सत्र हेतु दिनांक 10 मई, 2021 को व्यक्तिगत संपर्क कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस संपर्क कार्यक्रम में 62वें हिंदी टंकण पत्राचार पाठ्यक्रम हेतु पंजीकृत 23 सदस्यों ने सहभागिता ली। इस संपर्क कार्यक्रम के अवसर पर हिंदी शब्द संसाधन एवं हिंदी आशुलिपि प्रशिक्षण केन्द्र चण्डीगढ़ के सहायक निदेशक श्री अरविंद कुमार ने प्रशिक्षणार्थियों का मार्गदर्शन किया। इस अवसर पर सहायक निदेशक ने प्रशिक्षणार्थियों की तैयारी का जायजा लिया तथा उनकी सभी जिज्ञासाओं का समाधान तथा समस्याओं का निराकरण किया।

इस अवसर पर भा.प्रौ.सं. रोपड़ के हिंदी अनुवादक डॉ. गिरीश प्रमोदराव कठाणे ने सहायक निदेशक श्री अरविंद कुमार जी का उनके अमूल्य मार्गदर्शन हेतु आभार व्यक्त किया।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति रुपनगर की अर्धवार्षिक बैठक में संस्थान की सहभागिता

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति वित्तीय वर्ष 2021-22 की प्रथम बैठक दिनांक 28.05.2021 को आनलाइन माध्यम से आयोजित की गई। इस बैठक में संस्थान के निदेशक एवं राजभाषा कार्यान्वयन समिति, भा.प्रौ.सं.रोपड़ के अध्यक्ष प्रो. राजीव आहूजा, संस्थान के हिंदी अधिकारी श्री लगवीश कुमार तथा हिंदी अनुवादक डॉ. गिरीश प्रमोदराव कठाणे ने सहभागिता सुनिश्चित की।

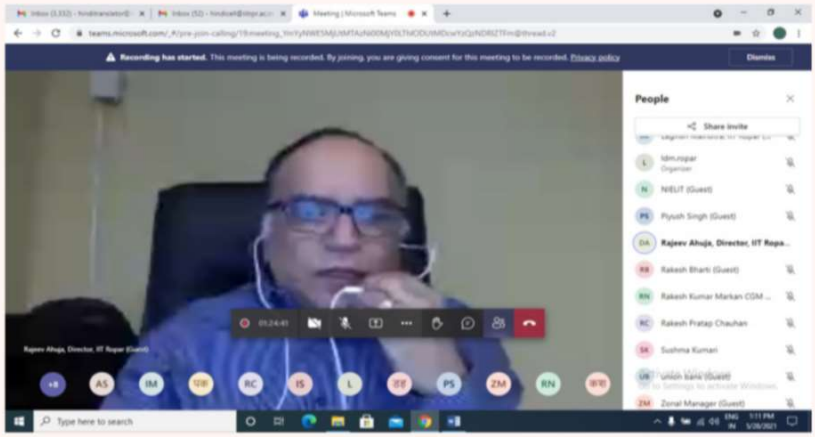

इस अवसर पर नराकास रुपनगर की सदस्य सचिव डॉ. हेमलता और नराकास के अध्यक्ष श्री राजिन्द्र कुमार जसरोटिया ने भा.प्रौ.सं. रोपड़ ने नए निदेशक प्रो. राजीव आहूजा का स्वागत एवं अभिवादन किया। इस अवसर पर उत्तरी क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय, नई दिल्ली के उपनिदेशक (कार्यान्वयन) श्री कुमार पाल शर्मा विशेष रुप से आमंत्रित थे।

प्रो. राजीव आहूजा ने प्रथमतः संस्थान के निदेशक के रुप में नराकास की बैठक में सहभागिता की और इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए देश-विदेश में हिंदी की स्थिति और इसकी स्वीकार्यता पर प्रकाश डाला।

भा.प्रौ.सं. रोपड़ में आनलाइन हिंदी कार्यशाला का आयोजन (दिनांक 29 जून, 2021)

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रोपड़ के हिंदी प्रकोष्ठ द्वारा दिनांक 29 जून, 2021 को दोपहर 3.00 बजे आनलाइन माध्यम से हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का विषय "पंजाबी भाषा, साहित्य और संस्कृतिः अतीत, वर्तमान और भविष्य" था।

यह कार्यशाला संस्थान में कार्यरत् कर्मचारियों में निज भाषा के प्रति अपनत्व के भाव को अंकुरित करने तथा निज भाषा को महत्व को समझकर हिंदी और पंजाबी के समान तत्वों से उन्हें अवगत कराना था। इस कार्यशाला में दिल्ली विश्वविद्यालय के पंजाबी विभाग के प्रोफेसर एवं प्रमुख डॉ. रवि रविंदर वक्ता के रुप में आमंत्रित थे।

इस अवसर पर श्री रविंदर कुमार, कार्यवाहक कुलसचिव, भा.प्रौ.सं. रोपड़ ने आमंत्रित वक्ता महोदय तथा अन्य सहभागियों का औपचारिक स्वागत किया। अपने स्वागत संबोधन में कार्यवाहक कुलसचिव महोदय ने अपने विचार साझा करते हुए कहा कि हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि यदि हमें हिंदी को आगे बढ़ाना है तो सबसे पहले भारत की तमाम भाषाओं पर भी हमें उतना ही ध्यान देना होगा।

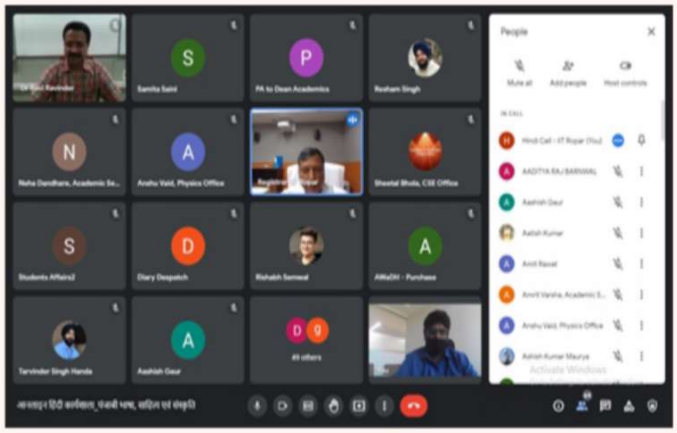

औपचारिक स्वागत के पश्चात डॉ. रवि रविंदर जी ने अपने व्याख्यान में पंजाबी भाषा तथा हिंदी के साथ इसके संबंधों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया। मुख्य वक्ता महोदय ने सभी से अपने विचार साझा करते हुए यह बताया कि हर एक व्यक्ति को अपनी मातृभाषा, निज भाषा के प्रति स्वाभिमान का भाव रखना चाहिए न कि हीनता का।

वक्ता महोदय ने आगे यह भी कहा कि आज के इस युग में भाषा को बचाने की आवश्यकता नहीं है अपितु भाषा को समयानुरुप ढ़ालने तथा इसमें वांछित परिवर्तन करने की आवश्यकता है। अपनी संबोधन में वक्ता महोदय ने कहां कि भाषा के संवर्धन एवं विकास में परिवार की, परिवार के बाद समाज की तथा इसके बाद विद्यालय, महाविद्यालय तथा अंत मे विश्वविद्यालय की भूमिका होती है। अतः यह स्पष्ट है कि कोई भी व्यक्ति सर्वप्रथम अपने परिवार से ही भाषायी संस्कार प्राप्त करता है। अतः भाषा के संवर्धन एवं विकास में परिवार की अहम भूमिका है।

भाषा के संबंध में विभिन्न पक्षों पर अपने विचार साझा करते हुए अंत में वक्ता महोदय ने सभी से यह अपील की कि समाज के सभी संपन्न लोगों को गरीब के बच्चों के शिक्षा पर ध्यान देना चाहिए और इस कार्य में अपनी क्षमता से सहयोग करना चाहिए।

कार्यक्रम को अंतिम चरण में भा.प्रौ.सं. रोपड़ के हिंदी अधिकारी श्री लगवीश कुमार ने आमंत्रित वक्ता महोदय तथा सभी सहभागियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। अपने धन्यवाद ज्ञापन में श्री लगवीश कुमार ने अपने विचार साझा करते हुए कहा कि इसमें जरा भी संदेह नहीं है कि पंजाबी भाषा अपनी एक महान विरासत और पृष्ठभूमि रखती है। मातृभाषा होने के कारण हम सभी का यह नैतिक दायित्व है कि हम इसका अधिक से अधिक प्रयोग करें इसे ओर समृद्ध बनाएं क्योंकि हिंदी का विकास तभी संभव है जब क्षेत्रीय भाषाओं को महत्व दिया जाएं क्योंकि भारत की सभी भाषाएं एक दूसरे की सहायिका के तौर पर कार्य करती है।

इस कार्यशाला में भा.प्रौ.सं. रोपड़ के तथा दिल्ली विश्वविद्यालय के सदस्यों को मिलाकर कुल 92 सदस्य उपस्थित थे। कार्यशाला का संचालन संस्थान के हिंदी अनुवादक डॉ. गिरीश प्रमोदराव कठाणे ने किया।

संपर्क अधिकारियों की बैठक में संस्थान की सहभागिता

हिंदी शिक्षण योजना, उप निदेशक (मध्योत्तर) कार्यालय, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा दिनांक 29 जून, 2021 को मध्योत्तर क्षेत्र के अंतर्गत आनेवाले संस्थानों/कार्यालयों के संपर्क अधिकारियों की आनलाइन बैठक का आयोजन किया गया। यह बैठक हिंदी भाषा तथा हिंदी टंकण एवं आशुलिपि प्रशिक्षण कार्यक्रमों के गति लाने के उद्देश्य से आयोजित की गई थी।

इस बैठक में संस्थान की ओर से श्री लगवीश कुमार, हिंदी अधिकारी तथा डॉ. गिरीश प्रमोदराव कठाणे, हिंदी अनुवादक ने सहभागिता ली। उक्त बैठक में मध्योत्तर क्षेत्र के सभी संस्थानों के संपर्क अधिकारियों को अपने-अपने कार्यालयों के कर्मचारियों को संचालित किए जानेवाले प्रशिक्षण हेतु अधिक से अधिक संख्या में पंजीकृत कराने की दिशा में प्रोत्साहित किया गया।

11 जून, 2021 को संस्थान का आनलाइन राजभाषा निरीक्षण संपन्न

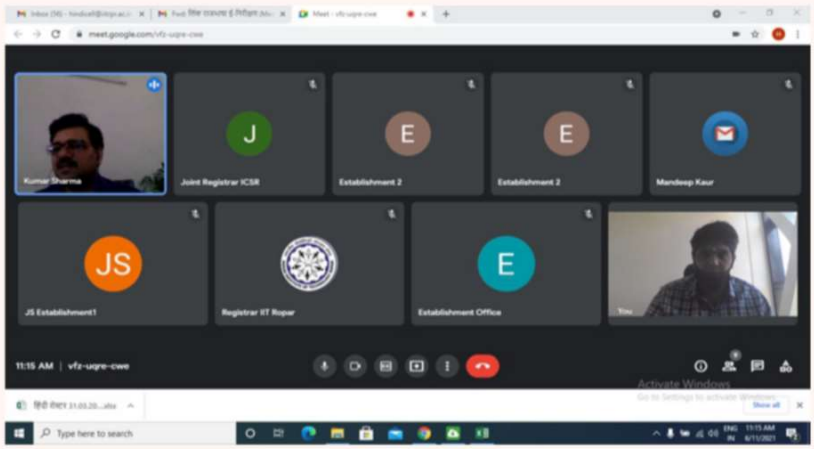

उत्तरी क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय, नई दिल्ली, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा दिनांक 11 जून, 2021 को संस्थान का आनलाइन राजभाषा निरीक्षण संपन्न हुआ। यह निरीक्षण श्री कुमार पाल शर्मा, उप निदेशक (कार्यान्वयन), उत्तरी क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय द्वारा किया गया।

इस प्रशिक्षण में उप निदेशक (कार्यान्यवन) ने संस्थान के राजभाषायी कार्यों का मूल्यांकन करते हुए इस अवसर पर मूल्यवान सुझाव भी दिए।

75वें स्वतंत्रता दिवस पर देशभक्ति गीत गायन प्रतियोगिता का आयोजन

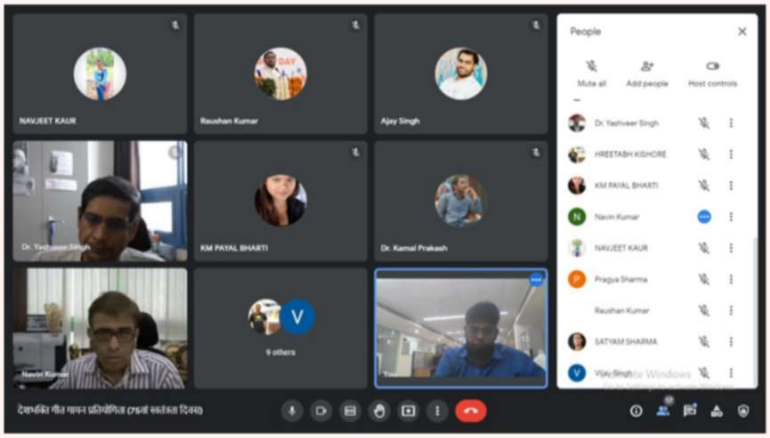

भारत के 75वें स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य पर हिंदी प्रकोष्ठ, भा.प्रौ.सं. रोपड़ द्वारा दिनांक 12 अगस्त 2021 को आनलाइन माध्यम से संस्थान-सदस्यों हेतु देशभक्ति गीत गायन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। हिंदी प्रकोष्ठ प्रतिवर्ष स्वतंत्रता दिवस एवं गणतंत्र दिवस के अवसर पर देशभक्ति गीत गायन प्रतियोगिता का आयोजन करता आ रहा है। इस वर्ष आजादी के अमृत महोत्सव पर भी संस्थान के कर्मचारी, संकाय सदस्यों तथा विद्यार्थियों हेतु देशभक्ति गीत गायन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कोरोना महामारी को ध्यान में रखते हुए यह प्रतियोगिता आनलाइन माध्यम से आयोजित की गई।

इस प्रतियोगिता में संस्थान के कुल 24 सदस्यों ने सहभागिता ली। इस प्रतियोगिता हेतु एक परीक्षक के रुप में संस्थान के यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग के सह प्राध्यापक डॉ. नवीन कुमार तथा रसायन विभाग के सह प्राध्यापक डॉ. यशवीर सिंह उपस्थित थे।

प्रतियोगिता के आरंभ में, दोनों परीक्षकों ने सहभागी सदस्यों को स्वतंत्रता दिवस की बधाई दी। इस प्रतियोगिता में संस्थान के कर्मचारी तथा विद्यार्थियों ने अपन गीत-गायन से पूरा वातावरण देशभक्ति के रंग में रंग दिया था।

इस प्रतियोगिता में कर्मचारी श्रेणी में श्री विजय सिंह, लेखा अनुभाग को प्रथम पुरस्कार, श्री विपिन कुमार, लेखा अनुभाग को द्वितीय पुरस्कार, श्री रविंदर कुमार, विकास एवं अनुसंधान अनुभाग को तृतीय पुरस्कार, श्री गगनदीप सिंह (अवध) को प्रथम प्रोत्साहन पुरस्कार तथा डॉ. तरविंदर सिंह हांडा (केंद्रीय पुस्तकालय) और श्री विनय कुमार (विद्यार्थी मामले अनुभाग) को संयुक्त रुप से द्वितीय प्रोत्साहन पुरस्कार प्रदान किए गए।

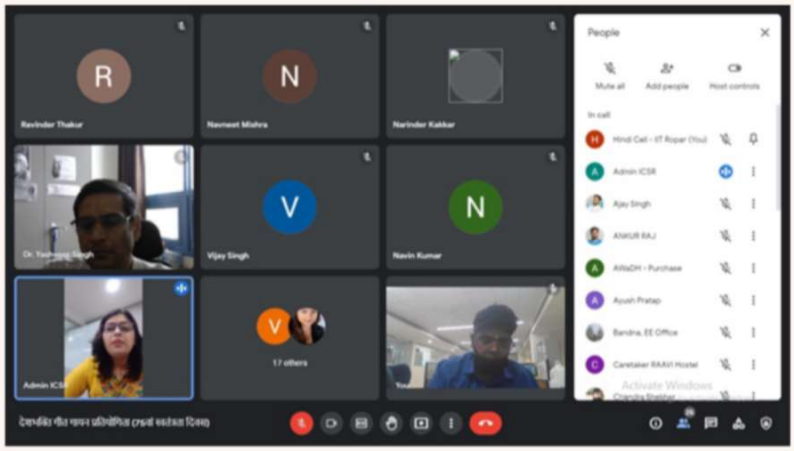

विद्यार्थी श्रेणी में सुश्री पायल भारती (विद्युत अभियांत्रिकी) को प्रथम पुरस्कार, श्री रोशन कुमार (यांत्रिक अभियांत्रिकी) को द्वितीय पुरस्कार, श्री अजय सिंह (यांत्रिक अभियांत्रिकी) और सुश्री प्रज्ञा शर्मा (भौतिकी) को संयुक्त रुप से तृतीय पुरस्कार, श्री ऋतभ किशोर (यांत्रिक अभियांत्रिकी) को प्रथम प्रोत्साहन पुरस्कार तथा श्री चंद्रशेखर (रासायनिक अभियांत्रिकी) को द्वितीय प्रोत्साहन पुरस्कार हेतु चयनित किया गया।

प्रतियोगिता के अंत में, डॉ. यशवीर सिंह और डॉ. नवीन कुमार ने सभी प्रतियोगिता के प्रस्तुति पर अपने विचार रखें और प्रतियोगिता के सफल आयोजन हेतु संस्थान के हिंदी अनुवादक डॉ. गिरीश प्रमोदराव कठाणे का अभिनंदन किया।

हिंदी टाइपिंग पत्राचार प्रशिक्षण सत्र अगस्त 2021 से जनवरी 2022 हेतु आंतरिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

हिंदी प्रकोष्ठ, भा.प्रौ.सं. रोपड़ द्वारा हिंदी टाइपिंग पत्राचार प्रशिक्षण के सत्र अगस्त 2021 से जनवरी 2022 तक (62वां सत्र) के सत्र में संस्थान के पंजीकृत 9 सदस्यों हेतु 04 दिवसीय आंतरिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस आंतरिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आरंभ दिनांक 24 अगस्त 2021 से हुआ तथा समापन 27 अगस्त 2021 को हुआ। इस आंतरिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य उक्त प्रशिक्षण में संस्थान के पंजीकृत प्रशिक्षणार्थियों की तैयारी का जायजा लेना तथा इस सत्र की परीक्षा में संस्थान सदस्यों के बेहतर अंको से उत्तीर्ण करने हेतु उन्हें आरंभ में ही इस प्रशिक्षण से संबंधित सभी बारीकियों से अवगत कराना था।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रशिक्षक के रुप में श्री अरविंद कुमार, सहायक निदेशक (टं.आ.), हिंदी टंकण एवं आशुलिपि प्रशिक्षण केन्द्र, हिंदी शिक्षण योजना, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार, चण्डीगढ़ केन्द्र को आमंत्रित किया गया था।

दिनांक 24 अगस्त 2021 को संपन्न आंतरिक प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रथम सत्र में प्रशिक्षक महोदय ने प्रशिक्षणार्थियों को हिंदी कुंजीपटल का परिचय एवं इसकी व्यावहारिकता , दिनांक 25 अगस्त 2021 के द्वितीय सत्र में मुख्य रुप से व्याकरणिक चिन्हों का अभ्यास, गति अभ्यास आदि, दिनांक 26 अगस्त 2021 के सत्र में सारणी बनाना तथा सारणी बनाते हुए ध्यान रखे जाने वाले बिंदु, विभिन्न पत्रों का टंकण आदि तथा दिनांक 27 अगस्त 2021 को हस्तलेख पर मार्गदर्शन करते हुए विभिन्न प्रूफ शोधन चिन्हों की पहचान तथा चारों सत्रों का पुनरावलोकन किया।

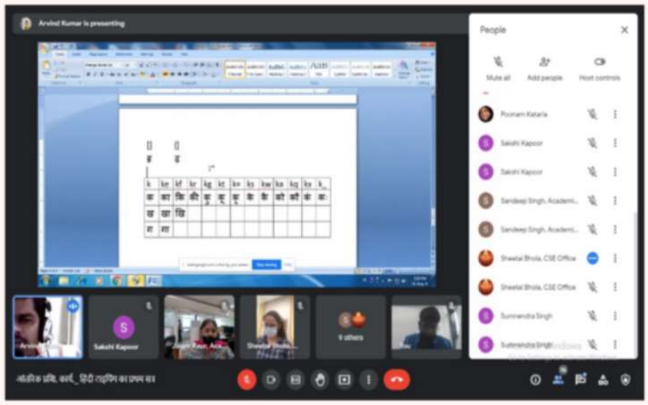

कुंजीपटल का परिचय एवं अभ्यास

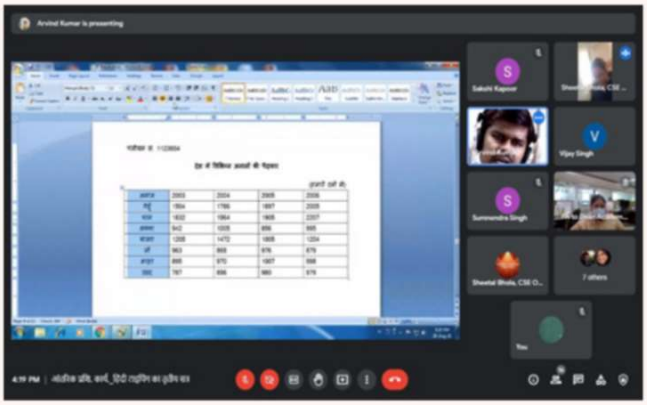

सारणी का अभ्यास

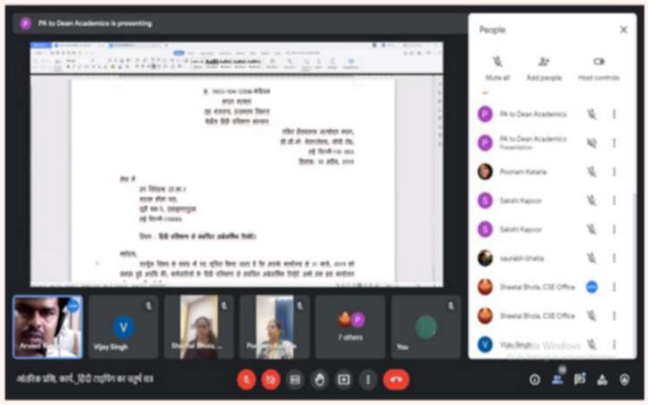

विभिन्न पत्रों का अभ्यास

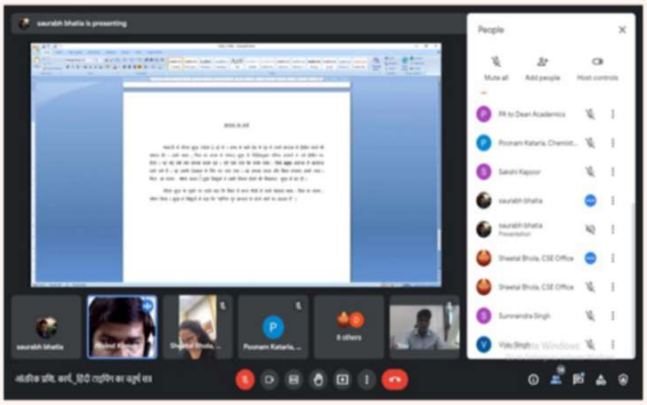

हस्तलेख का अभ्यास

इस आंतरिक प्रशिक्षण कार्यक्रम में इस प्रशिक्षण के 61वें सत्र के प्रशिक्षणार्थियों ने भी भाग लिया। इस प्रशिक्षण के 61 वें सत्र (फरवरी-जुलाई 2021) में संस्थान के कुल 23 सदस्य पंजीकृत है जिनकी परीक्षा कोरोना के कारण अनिश्चित काल हेतु स्थगित की गई है।

इस आंतरिक प्रशिक्षण कार्यक्रम के चतुर्थ एवं अंतिम सत्र में संस्थान के गणित विभाग के प्रमुख एवं हिंदी प्रकोष्ठ के संकाय प्रभारी डॉ. अरविंद कुमार गुप्ता ने श्री अरविंद कुमार, सहायक निदेशक का धन्यवाद ज्ञापित किया और सभी प्रशिक्षणार्थियों को परीक्षा में उत्तम अंकों से उत्तीर्ण होने हेतु शुभकामनाएं दी। साथ ही, डॉ. गुप्ता ने संस्थान के हिंदी अनुवादक डॉ. गिरीश प्रमोदराव कठाणे का इस चार दिवसीय आंतरिक प्रशिक्षण कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संपन्न कराने हेतु अभिनंदन किया।

अंत में, सभी प्रशिक्षणार्थियों ने इस 4 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के संबंध में अपने विचारों को अभिव्यक्त किया और सभी ने श्री अरविंद कुमार, सहायक निदेशक महोदय का बहुत ही सरलता के साथ हिंदी टाइपिंग के विविध पक्षों पर मार्गदर्शन एवं अभ्यास कराने हेतु धन्यवाद किया।

समर्पण : एक संघर्ष या सिहरन

अब वक्त नहीं रहा याचना का, जयकार की उद्घोसना करो
शत्रु सीमा पर ललकार रहा, अब तो उसका दमन करो
जो हाथ काम पड़ते हैं, तो बोलो, हम मुस्कुराते आएंगे
काटने की खातिर भी, अपना हम भाल सजा कर लाएंगे
कुछ क़र्ज़ हम पर भी तो बनता है, अपनी माटी का
अब बहुत हुआ, हम लाल करेंगे, हरा रंग इस घाटी का
मुक्त करो तुम हाथ हमारा, हर सर वह कटा जायेगा
तोड़ी जाएगी वह ऊँगली, धरती माँ पर जो उठाएगा
पलके भींगी है हमारी, पर छाती फिर भी तानी हुई
किसी के कलेजे का टुकड़ा, फिर से आसमान हुआ है
कायरों तुम न समझ लेना, जीत तुम हमसे पाओगे
आज इन वीर सपूतों की सहादत पर, एक पूरा हिन्दुस्तान हुआ है
आंखें नाम है और दिल वीरान हुआ है,
सरहद पर कल कुछ घर फिर शमसान हुआ है
सिसकियाँ में डूबी है स्याह रात की परतें साड़ी
किसी के आंगन का गुल फिर कल वीरान हुआ है
सूनी गोद और मांग है उजरि, आँखों में भादो सी उमरी
देश की रक्षा की खातिर अनाथ एक नादान हुआ है
सियासी झगड़ों की खातिर हम कब तक लहू बहाएंगे
वीर सपूत इस देश के यूँ कब तक दुश्मन का शिकार बनेंगे
वक्त आ गया देश की सम्मान की खातिर
हर पल अपनों के खोने का गम सता रहा
कुछ करने का कुछ सोचने का
यही है दिल में अब जज्बात हमारी
जय हिन्द जय भारत!!

ऋतभ किशोर श्रीवास्तव
पी. एचडी. शोधार्थी,
यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग

मन की बस्ती में

मन की बस्ती में बस तुम ही, बसती हो कोई और नहीं है,
बंदा बंधा है मन से तुमसे, टूटे जो ऐसी डोर नहीं है।।

तुम ही मेरे हँसने का कारण, वजह तुम्ही हो रोने की,
तुमने ही जगाया रातों को, तुम्ही वजह चैन से सोने की,
तुम हो जादूगरनी एक जादू, करके काबू कर लिया मन,
तेरे होने से अब सब हो भुला, सुध-बुध अपने होने की,
रवि के तेज सी सूरत, सीरत चंदा की शीतलता जैसी,
तुम बिन मेरी शाम अधूरी, तुम बिन होती भौर नहीं है।।

तेरी बाहों में बीता जैसा, वैसा सुख का पल नहीं मिला,
मुझे देख तेरी आँखों में आया, वैसा निर्मल जल नहीं मिला,
राधा तुमको मैं नहीं कहूँ, नहीं कान्हा उसको मिल पाया,
नहीं रुक्मिणी भी तुम क्योंकि, कृष्ण उसे ही केवल नहीं मिला,
अग्निपरीक्षा के बिन ही तुम, मुझको सीता जैसी लगी,
राम सा मुझको भी जानो तुम, मन में मेरे चोर नहीं है।।

अभी अभी तुम मिली मुझे और ख़ुशी मिली है अभी अभी,
खुल के मैं इजहार करूँ, कोई बात रखूं ना दबी दबी,
आंखों को मेरी जलन हो रही, मेरे ही दिल से क्योंकि,
दिल में हमेशा तुम रहती पर, देखें आंखें कभी कभी,
कैसे तुम्हें कह दूँ के कितना, प्रेम प्रिये मैं करता हूँ,
प्रेम है ब्रह्म के जैसा जिसका, ओर नहीं कोई छोर नही है।।

अजय सिंह रेढ़ू
पी. एचडी. शोधार्थी,
यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग

फादर्स डे

जिसे देख देख जीवनमूल्य बने,
जिसकी बदौलत ये जीवन अस्तित्व में है।
भले ही ये शरीर बना हो माँ की कोख मे ,
पर बाप मेरा समाया मेरे व्यक्तित्व मे है।।
जीवन की हर एक मुसीबत में,
जो चट्टान सा खड़ा हमारी हिफाज़त में हैं।
स्वाभिमान, आत्मसम्मान और पुरुषार्थ,
उसी बाप से मिले विरासत में हैं।।
उसने सिखा दिया क्या सही क्या गलत,
वरना कई गुम हुए इस खोज में है।
जिसने सिखाया दुनिया में सर उठा के जीना,
उस बाप की परछाई मेरी हर सोच में है।।

आखिरी ख्वाहिश

यूँ तो जिंदगी से होती सबकी अपनी अपनी फर्माइश है।
मगर जिंदगी कोई खेल नहीं, एक कठिन आजमाइश है।।
उम्र गुजर जाती है यहां , सिर्फ दुनिया के दिखावे में।
लगता है के जिंदगी जिंदगी नहीं, सिर्फ एक नुमाइश है।।
जाने किस राह पर हूं, और कहां ले जाएगी ये जिन्दगी।
मगर तिरंगे में लिपटना ही मेरी आखिरी ख्वाहिश है।।

राम सिंह यादव
पी. एचडी. शोधार्थी,
यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग

बारिश

बादल की गड़गड़ाहट को सुनकर,
बारिश की छनकार को देखकर,
खेतों की हरियाली छाती ,
पंछियों की चहचहाहट गांव में खुशहाली लाती ।
मिट्टी की वह सोंधी सोंधी खुशबू
हरी सब्जियों का वो दिन
यूं बारिश में भीगना
घर पर एक नया बहाना ।
छतरी छोड़ कर हम स्कूल को जाते
बारिश होने का इंतजार करते
छप छप करते जो घर को आते
मम्मी कहती अपने साथ क्यों हो कीटाणु लाते ।
बचपन के वो क्या दिन थे
बारिश होती छत पर हम थे
झूमकर जो नाचा करते थे
लोट लोट कर बारिश में भीगा करते।
पैरो में ताकत ना बची हो
मयूर की नाच ,हमें झुमा गई
उम्र तो मरने की थी
पर बारिश हमें जीना सिखा गई

आदित्य राज वर्णवाल
एम टेक विद्यार्थी,
कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग

संरक्षक संपादक
प्रो. राजीव आहूजा
निदेशक,
भा.प्रौ.सं.रोपड़

परामर्शदाता संपादक
डॉ. अरविंद कुमार गुप्ता
संकाय प्रभारी (हिन्दी)

श्री लगवीश कुमार
हिन्दी अधिकारी तथा संयुक्त कुलसचिव
भा.प्रौ.सं.रोपड़

संपादक
डॉ. गिरीश प्रमोदराव कठाणे
हिन्दी अनुवादक,
भा.प्रौ.सं.रोपड़

अभिकल्प, प्रकाशन एवं मुद्रण
सुश्री प्रीतेंदर कौर
जनसंपर्क अधिकारी, भा.प्रौ.सं.रोपड़
संपादन सहयोग
श्री ऋतभ किशोर
छात्र समन्वयक (संगम पत्रिका),
पीएच. डी. शोधार्थी, यांत्रिक अभि. विभाग, भा.प्रौ.सं.रोपड़